जाग उठा हमारा
आजाद हिन्दुस्तान
RNI No.-MPHIN/2001/14172
AZAD हिन्दुस्तान LIVE

नागेश्वर मन्दिर, बड़वाह

वर्ष-23 अंक- 08 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 21 फरवरी से 27 फरवरी 2023 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

बड़वाह में आजाद हिन्दुस्तान के दूसरे सर्वे ने बढ़ाई विधायक पद के उम्मीदवारों की धड़कने

भाजपा में सचिन बिरला और लाला बना के बीच जबरजस्त प्रतिष्पर्धा, कांग्रेंस के तिलोक राठोड़ की बडी छलांग

आप के मुश्ताक मलिक भी तगडी रेस में, 24 धंटे के बाद लिंक हुई हेकिंग , सर्वे रहा अधुरा

बड़वाह -नवरत्न मल जैन

बड़वाह - यूं तो विधानसभा चुनाव में अभी तक 9 माह का समय बाकी है लेकिन आजाद हिन्दुस्तान समाचार पत्र के आनलाईन सर्वे से खरगोन जिले की बड़वाह विधानसभा सीट पर भाजपा एवं कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के बीच चली जोरदार प्रतिष्पर्धा के चलते मात्र 24 घंटे में ही लगभग 5 हजार लोगों ने आनलाईन मतदान कर पूरे क्षेत्र में चुनावी माहोल नजर आने लगा । आईये इस सर्वे ने आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों की क्या भावनाऐं प्रदर्शित की इसका चिंतन करते है । हालाकि इन सर्वे का राजनैतिक दलों के निर्णय पर क्या प्रभाव होगा या नही भी होगा यह तो आने वाला समय बतायेगा लेकिन आजाद हिन्दस्तान का मकसद केवल क्षेत्र की जागरूक जनता का पक्ष लोगों के सामने रखना है और उसी को ध्यान में रखकर ये प्रयास किये जा रहे है । हालाकि जनभावनाओं के इस सर्वे को प्रभावित करने के लिये इस साईड को हेक करने की कोशिश की गई जिससे 5 दिन तक चलने वाला सर्वे 24 घंटों में ही बंद होगया । लेकिन बंद होने से पहले इस सर्वे ने बहुत कुछ संकेत क्षेत्र के जनमानस एवं राजनैतिक दलों के सामने जरूर रख दिये । तो आईये 24 धंटों में हुई 5000 से अधिक लोगों की तुफानी वोटिंग ने क्या संकेत दिये ...

प्रथम सर्वे में क्या रहे थे परिणाम -7 दिन में 6000 लोगों ने किया था मतदान

आजाद हिन्दुस्तान द्वारा किये गये प्रथम सर्वे में क्षेत्र के मतदाताओं से अलग अलग सर्वे में यह पूछा गया था कि आप कांग्रेस एवं भाजपा की ओर से किसे अपना पसंदीदा उम्मीदवार मानते है । उस सर्वे में भाजपा उम्मीदवार के रूप में पहली पंसद लाला बना रहे वहीं दूसरी पंसद वर्तमान विधायक सचिन बिरला रहे । कांग्रेस में सर्वाधिक पंसदीददा उम्मीदवार नीलेश रोकडिया थे तो दूसरे एवं तीसरी पंसद पर क्रमश: अशोक जैन एवं नरेन्द पटेल रहे । इस सर्वे में ७ दिन में लगभग ६ हजार से अधिक लोगों ने मतदान किया था । लेकिन दूसरे सर्वे में काफी उतार चढाव देखने को मिला

दूसरे सर्वे ने मचाई तूफानी धूम -24 धंटे में ही 5000 लोगो ने किया मतदान

आजाद हिन्दुस्तान समाचार पत्र द्वारा दूसरा आनलाईन सर्वे १६ फरवरी को रात को ८ बजे से प्रारभ कर २० फरवरी शाम ५ बजे के बीच तक के लिये रखा गया था । जिसमें मतदाताओं से पूछा गया था कि आप २०२३ में बड़वाह के विधायक के रूप में किसे अपना सबसे पंसदीदा उम्मीदवार मानते है । जिसमें लगभग कांग्रेस एवं भाजपा से कुल १० संभावित उम्मीदवारों का नाम रखा गया था । जिसमें भाजपा की ओर से श्री सचिन बिरला, श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी,श्री लाला बना, श्री जितेन्द्र सुराणा, एवं श्री राकेश गुप्ता का नाम शामिल था । वहीं कांग्रेस की ओर से श्री नीलेश रोकडिया, श्री अशोक जैन, श्री नरेन्द्र पटेल , श्री तिलोक राठोड़ एवं श्री जितेन्द्र सोलंकी के नाम विकल्प में थे ।

सर्वे के शुरू होते ही प्रारंभ होगया प्रतिष्पर्धा का दौर...

चुकि सवाल जनता की सर्वाधिक पंसदीदा उम्मीदवारी को लेकर था ऐसे में सर्वे के प्रति लोगों का रूझान भी जोरदार देखा गया । इस सर्वे में मात्र २४ धंटे में ही ५००० से अधिक लोगों ने मतदान किया। खास बात यह है कि १६ फरवरी को रात्रि ८ बजे से १७ फरवरी सुबह ८ बजे तक २४०० लोग मतदान कर चुके थे । चुकि इस सर्वे का अन्तिम तारीख २० फरवरी को शाम ५ बजे तक रखा गया था । इस समय सबसे अधिक प्रतिष्पर्धा कांग्रेस के तिलोक राठोड़ एवं भाजपा के लाला बना के बीच देखने को मिल रही थी वहीं विधायक सचिन बिरला एवं आप के मुश्ताक अली को भी लोग पंसद कर रहे थे ।

पिछले सर्वे में कांग्रेस की ओर से सबसे आगे रहे श्री नीलेश रोकडिया, अशोक जैन एवं नरेन्द्र पटेल के समथक ५ दिन का समय होने से शायद प्रतिप्पर्धा को थोडा देखने के बाद सक्रीय होने का मन बना चुके थे इसलिये उनके परिणाम स्थिर थे । लेकिन तिलोक राठोड, लाला बना , सचिन बिरला एवं मुश्ताक मलिक के समर्थकों के बीच जोरदार प्रतिष्पर्धा चल रही थी । सभी उम्मीदवारों के समर्थकों में कांटा जोड मुकाबला चल रहा था ।

१७ फरवरी सुबह से सचिन बिरला के समर्थकों में भी तेजी आई और उनके पक्ष में वाट तेजी से बढने लगे। अब प्रतिप्पर्धा सचिन बिरला एवं लाला बना के बीच होने लगी । कभी सचिन बिरला शीर्ष पर तो कभी लाला बना । शाम को ३ बजे तक लगभग ४००० लोगों ने मतदान कर दिया था लेकिन ३.३० बजे के बाद संभवत किसी ने साइड को हेक करने की कोशिश प्रारंभ की । जिससे कुछ उम्मीदवारों को १ सेकंड में ही २५-३० वोट आना प्रारंभ होगया और सर्वर के सेंसर से वो सर्वे पूरी तरह अचानक बंद होगया । सर्वे बंद होने के पहले ५२२१ लोगों ने मतदान किया था ।

सर्वे समय से पहले ही अचानक बंद होने से अन्तिम परिणाम नही पर प्रतिष्पर्धा को जरूर परखा जा सकता है

चुकि यह सर्वे २० फरवरी शाम को 3 बजे तक चलना था लेकिन साईट हेक होने से यह सर्वे मात्र २४ घंटे में ही बंद होगया इसलिये इस सर्वे के परिणामों को अन्तिम परिणाम नही कहा जा सकता लेकिन जिस स्पीड से दावेदारों के बीच प्रतिर्ध्धा का दौर चला उससे लोगों के बीच पंसदीदा उम्मीदवार को लेकर चल रही विचारधारा को जरूर लोगो के सामने रख दिया है ।

भाजपा उम्मीदवारों में जनता के बीच सर्वाधिक पंसदीदा उम्मीदवार सचिन बिरला एवं लाला बना -

आगामी चुनाव में हालाकि भाजपा में सचिन बिरला का नाम उम्मीदवारी को लेकर तय माना जारहा है और वे लगातार विकास यात्राओं के माध्यम से जनता के बीच जाकर अपनी पहूंच को और मजबूत करने में लगे है । लोगों की शिकायतों को

दूर कर उन्हे अपना बनाने की कला उनकों आती है लेकिन सचिन बिरला के समक्ष सर्वे में तगडी चुनौती बनकर कोइ नेता उभरे है तो वे है बडवाह मंडल अध्यक्ष श्री लाला बना । पिछले सर्वे में और इस सर्वे में भी काफी लम्बे समय तक लाला बना सबसे आगे रहे । सर्वे के दूसरे दिन प्रतिर्ध्धा के अन्तिम दौर में श्री सचिन बिरला तालिका में आगे प्रथम स्थान पर पहूंच गये और इसी बीच साईट बंद होगई । सर्वे बदं होने तक श्री सचिन बिरला को कुल वोटों का २७.३९ प्रतिशत मत मिला तो मुकाबले में तेजी से अग्रसर रहे लाला बना को २६.१२ प्रतिशत वोट मिले ।

श्री सचिन बिरला को संगठन एवं कार्यकर्ताओं को लेना होगा मजबूती से साथ-

चुकि श्री सचिन बिरला कांग्रेस से भाजपा में गये है और श्री बिरला खुद भी जानते है कि कांग्रेस तथा भाजपा की कार्यप्रणाली में बहुत अंतर है । कांग्रेस में उम्मीदवार अपनी ताकत, अपने संगठन एवं अपने मेनेजमेंट से चुनाव जीतता है जैसे श्री बिरला ने शानदार जीत अर्जित की । लेकिन भाजपा में उम्मीदवार के साथ ही जीत में सबसे बडा योगदान भाजपा संगठन का होता है । इस सर्वे में ये बात स्पस्ट तोर पर नजर आई कि श्री सचिन बिरला अब भाजपा के टिकिट पर शानदार जीत को बरकरार रखना चाहते है तो उन्हे भाजपा संगठन , भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं भाजपा के समर्पित जमीनी कार्यकर्ताओं का हर हालत में साथ लेना होगा । क्यो कि दोनो सर्वे में बडी संख्या में भाजपा समर्थकों ने उनके सामने यदि लाला बना के पक्ष में भी वोटिंग की है ऐसे में कही ना कही भाजपा संगठन को साथ लेने में उन्हे और अधिक मेहनत करना होगा। हालाकि सचिन बिरला एक कुशल राजनैता बन चुके है और उन्हे अपने विराधियों को भी अपना बनाने की कला आती है । इसलिये वे इस चुनौती को भी अपने लिये अवसर बना सकते है ।

श्री तिलोक राठोड की उंची छलांग से कांग्रेस में हलचल-

विगत सर्वे में काफी पीछे रहने वाले कांग्रेस के नये नवेले लेकिन जमीन पर मजबूती से अपना स्थान बनाने में लगे श्री तिलोक राठोड को इस सर्वे में जिस तेजी से समर्थन मिला है वों कांग्रेस में हलचल मचाने के लिये काफी है । पिछले सर्वे में आगे रहने वाले श्री नीलेश रोकडिया, अशोक जैन एवं नरेन्द्र पटेल के समर्थकों की अपेक्षा इस बार तिलोक राठोड़ के समर्थकों ने अपनी ताकत दिखाकर अपने नेता को शीर्ष पर पहूंचाया। उन्हे २०.१५ प्रतिशत मत मिले ।

कांग्रेस में पूराने मजबूत स्थानीय नेताओं को श्री तिलोक राठोड अब जमीनी स्तर पर भी धीरे धीरे ही सही लेकिन चुनौती देने तैयारी में नजर आने लगे है । लोगों खासकर युवाओ को अपना बनाने की कला उन्हे आती है । उनकी नजर ऐसे समाजों एवं संगठनों के बीच है जो कांग्रेस से दूर हो चुके है उसमे वे काफी हद तक सफल हो रहे है । अब उनका यह प्रयास कांग्रेस को वोट के रूप में कितना तबदील होता है यह आने वाला समय बतायेगा ।

खास बात यह है कि वर्तमान में सबसे अधिक सक्रीयता से लोगो को कांग्रेस से जोडने में लगे हुये होने के बावजूद तिलोक राठोड कहना है कि मै टिकिट की दावेदारी मजबूती से कर रहा हूं लेकिन पार्टी जिसे भी टिकिट देगी उसे विजयी बनाने के लिये भी मै पूरी ईमानदारी के साथ तनमनधन से पूरा साथ दूंगा लेकिन उन्हे अन्य उम्मीदवारों से भी यही अपेक्षा है कि उन्हे टिकिट मिलने पर वे भी दिल से साथ दे।

इसीलिये श्री तिलोक राठोड ने अपने आपको किसी एक गुट से नही बांधकर वे सभी नेताओं के साथ ही सभी दावेदारों से भी मधुर सम्बंध बनाये हुये है । गांव गांव जाकर वे जिस तरह अपनी टीम खडी करने में लगे है ऐसे में यह तय है कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस किसी को भी टिकिट दे लेकिन उसी जीत के लिये तिलोक राठोड़ के समर्थन की बडी आवश्यक्ता होगी ।

आप के मुश्ताक मलिक ने भी दिखाई अपनी ताकत -

वैसे पूरे प्रदेश की तरह बडवाह सीट पर भी मुख्य मुकाबला कांग्रेस एवं भाजपा के बीच माना जारहा है लेकिन जिस तरह इस सर्वे में आप के संभावित प्रत्याशी श्री मुश्ताक मलिक ने १४ प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त किये इससे दोनों दलों का चोक जाना स्वभाविक है । श्री मुश्ताक मलिक ने न केवल आप नेता के रूप में बल्कि कोराना काल में लाजवाब सेवा , सड़क के गड्डे भरने , प्याउ संचालन आदि कामों से एक समाजसेवी के रूप में अपनी मजबूत छवि बनायी है उसी का परिणाम है कि उन्हे १४ प्रतिशत लोगों ने पंसद किया । अब यदि वे चुनाव में भाग्य आजमाते है तो भाजपा का नुकसान करेगें या कांग्रेस का यह तो आने वाला समय बतायेगा लेकिन हार जीत के समीकरण वे जरूर बिगाड सकते है ।अभी तो २५ फरवरी को उनके द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन का आनंद दोनों दलों के नेताओं को लेना चाहिये ।

कायाकल्प अभियान के तहत नगर में 1 करोड़ की बनेगी नई सड़कें

बड़वाह- नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में बड़वाह में विकास के अब नये आयाम स्थापित होने जारहे है । नपाअध्यक्ष श्री राकेश गुपता एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुशलसिंह डोडवे ने बताया कि कायाकल्प अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा वर्षों से खराब सडकों के कायाकल्प हेतु सिंगल क्लिक से राशि प्रदान की गई है। इसके तहत नगर पालिका बडवाह को 1 करोड रु की राशि प्रदान की गई है। अभियान के तहत नगर की सड़को का पेचवर्क नही होगा बल्कि जर्जर हो रही सड़को को पूरी तरह से उखाडकर उनके स्थान पर नई सडके बनाई जाएगी। नगर के प्रमुख मार्ग जहा आवागमन अधिकतम हो उनका उन्नयन किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में नगर के सभी पार्षद मौजूद थे ।

6 वार्डो मे तीन सीसी सड़क निर्माण एवं एक मे डामरीकृत सड़क बनेगी

कायाकल्प अभियान के अंतर्गत बाबूलाल जैन के निवास से रेलवे स्टेशन गेट वार्ड क्र.11 मे सीसी रोड़ निर्माण कार्य जिसकी लागत 27 लाख 24 हजार700सौ रुपए की लागत एवं रोहित वोरे के घर से नर्मदा रोड अगद टायर की दुकान तक वार्ड क्र.7 मे 26 लाख72 हजार812 रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य व एमजीरोड गोल बिल्डिंग से केंद्रीय ओधौगिक सुरक्षा बल गेट तक वार्ड क्र.15 वार्ड क्र.18 वार्ड क्र.2 मे 25 लाख 45 हजार 510 रुपए की राशि से सीसी रोड निर्माण कार्य 6 वार्डो मे होगा। वही वार्ड क्र.3 मे 5 लाख 29 हजार 629 रुपए की लागत से डामरीकृत नई सड़क बनेगी। शेष राशि जीएसटी के माध्यम से शासन को पुन भेजी जाएगी।

अब गांव- गांव जाकर आजाद हिन्दुस्तान करवायेगा जमीनी सर्वे